CHILD PROTECTION

Journey of a Community- Led Approach

समुदाय आधारित बाल संरक्षण प्रक्रिया पूर्णरूपेण समुदाय के लोगों द्वारा ही नियोजित, संयोजित और संचालित की जाने वाली प्रक्रिया है. हालांकि लोगों की उपलब्धता और उनके पूर्ण सहभागिता जैसे कारकों की वजह से यह प्रक्रिया धीमी जरुर है परंतु समाज में जो वास्तविक परिवर्तन हम देखना चाहते हैं उसकी प्राप्ति के लिए यही प्रक्रिया सबसे महत्वपूर्ण है. इस उल्लेखनीय दृष्टिकोण के साथ समुदाय के बीच कार्य करने का **चेतना विकास** का यह पहला अनुभव रहा. आज गर्व और आत्मसंतुष्टि के साथ मैं यह कह सकती हूँ कि किए गए सामाजिक परिवर्तन ना केवल प्रासंगिक हैं बल्कि दृश्यमान भी हैं.

इस सामुदायिक प्रक्रिया को प्रदर्शित करने के लिए मैं आभार व्यक्त करना चाहूंगी –

- **सी.आर.ए.** के माईक का, जिन्होंने समुदाय आधारित बाल संरक्षण दृष्टिकोण के बारे में समझ और संवाद को झारखंड के दो जिलों धनबाद और खूंटी में उतारने का प्रयास किया;
- **प्रैक्सिस** के साथियों का, जिन्होंने इस अनुभव को वास्तविकता में उतारने के लिए टेक्निकल सहयोग दिया;
- **प्लान इण्डिया** के साथियों का, जिन्होंने सरकार के साथ जोड़ने का साझा प्रयास और समुदाय के लोगों का प्रशिक्षण सुनिश्चित करने का सहयोग प्रदान किया;
- **सिनी** के साथियों का, जिन्होंने इस दृष्टिकोण और हमारे अनुभवों को विश्वभारती के बीच साझा करने में सहयोग किया;
- बिहार और झारखंड के विभिन्न गैर सरकारी संस्थाओं का, जिन्होंने हमारे इस प्रयास को जानने और समझने के बाद ना केवल इसे प्रशंसित किया बल्कि अपने क्षेत्रों में इसकी शुरुआत करने का विचार भी बना रहे हैं;
- और सबसे अधिक धन्यवाद कहना चाहूंगी समुदाय के उन **वास्तविक नेताओं (नेचुरल लीडर)** का जिन्होंने अपने व्यावसायिक जीवन के विभिन्न पदों का भार संभालते हुए अपने-अपने गाँव की भी जिम्मेदारी ली.

यह पुस्तिका मैं समुदाय के लोगों को समर्पित करती हूँ ....

A **community-led Child Protection Process** is a procedure that is totally planned, organized, and carried out by members of the community. Although this process is slow due to factors such as people's availability and their full participation, but this process is most important for achieving the real change that we want to see in the society. This was the first experience of **CHETNA VIKAS** of doing social interventions with this remarkable approach and today with pride and self-satisfaction I can declare that the social changes made are not only relevant but also apparent.

While presenting this booklet illustrating the community process, I would want to express my gratitude –

- Mike from **CRA**, who enabled understanding and dialogue about community led child protection in Jharkhand's Dhanbad and Khunti districts;
- The partners at **Praxis**, who provided technical support to make this experience a possible;
- The Partners at **Plan India**, who collaborated on efforts liaisons with the government and ensure community training;
- The Partners at **CINI**, who have helped in communicating this vision and our experiences with the people of Visva-Bharati;
- Several NGOs of Bihar and Jharkhand who have praised and are looking to adopt our initiatives after learning about and comprehending them.
- Most importantly, I want to express my gratitude to those **Natural Leaders** of the community who took responsibilities of their own communities while holding a variety of responsibilities in their professional lives.

I dedicate this booklet to the people of the community........

Rani Kumari
Chetna Vikas

अरे जीना है, तो लड़खड़ाकर क्यों जीना, उम्र तो अभी बाकी है, फिर कम उम्र में शादी क्यों रचाना.....!

If you want to live, why stumble? Age is still left, why marry at a young age....!

Nanku Das, Natural Leader, Tantri, Dhanbad

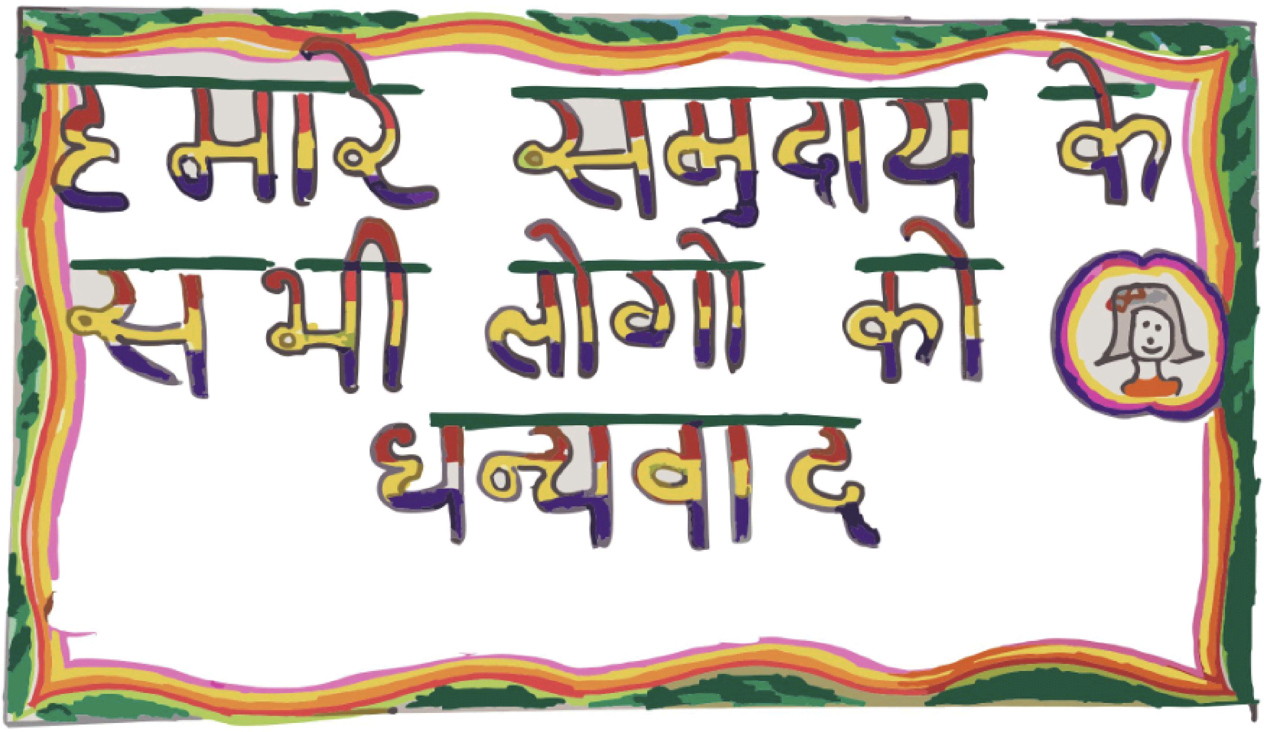

तिरस्कार नहीं अधिकार चाहिए संघर्ष के लिए समाज और समुदाय का साथ चाहिए.

We need rights not the insult; The effort requires the community's and society's support.

Nanku Das, Natural Leader, Tantri, Dhanbad

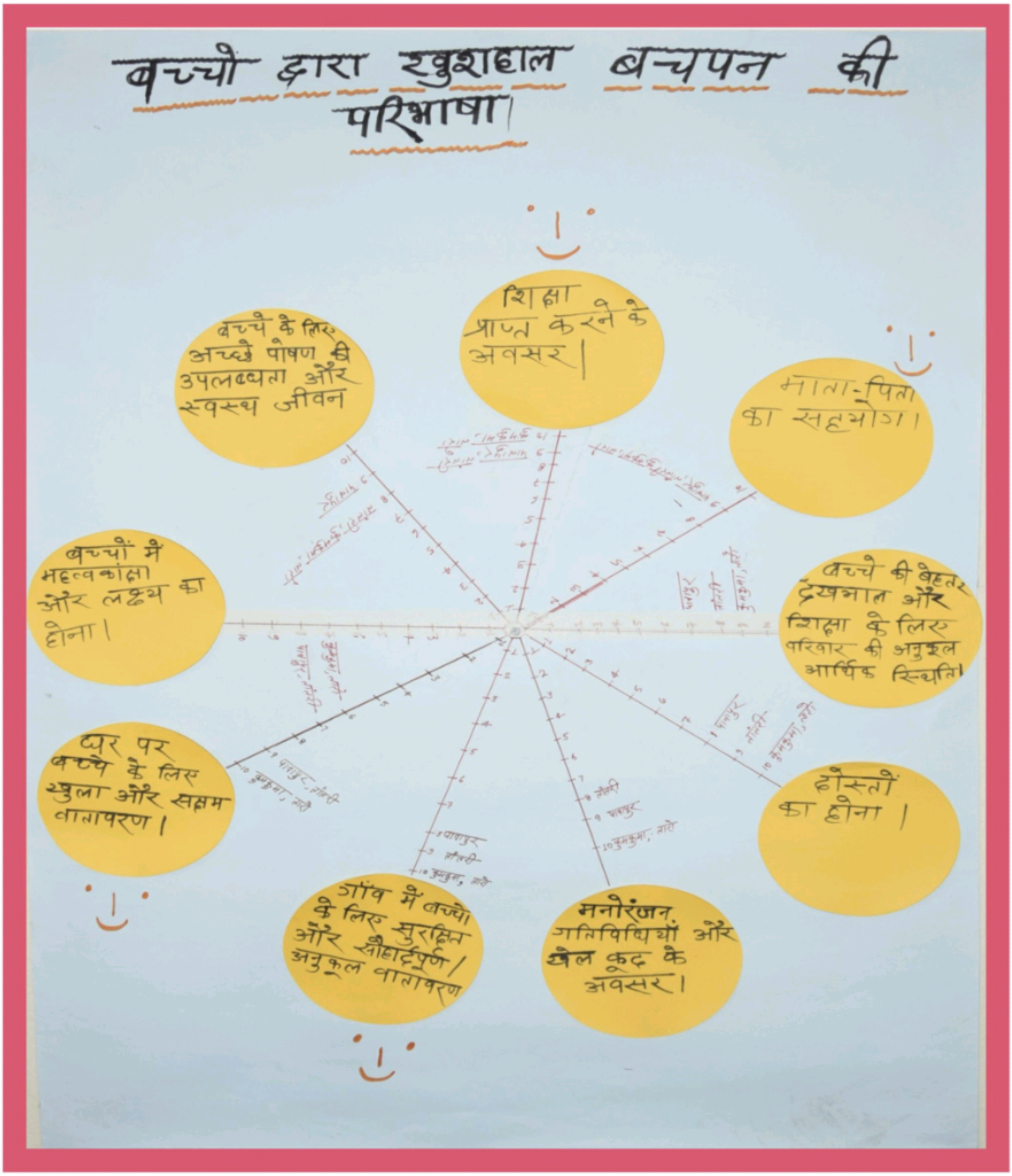
बच्चों द्वारा खुशहाल बचपन की परिभाषा।
शिक्षा प्राप्त करने के अवसर।
बच्चे के लिए अच्छे पोषण की उपलब्धता और स्वस्थ जीवन
माता-पिता का सहयोग।
बच्चों में महत्वकांक्षा और लक्ष्य का होना।
बच्चे की बेहतर देखभाल और शिक्षा के लिए परिवार की अनुकूल आर्थिक स्थिति।
घर पर बच्चे के लिए खुला और सक्षम वातावरण।
दोस्तों का होना।
गाँव में बच्चों के लिए सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण/अनुकूल वातावरण
मनोरंजन, गतिविधियों और खेल कूद के अवसर।

“मेरा बचपन तभी खुशहाल होगा जब मेरे बहुत सारे दोस्त होंगे और पढाई के साथ-साथ खेलने कूदने की आजादी होगी"

(My childhood will be happy only when I have many friends and get the freedom to play along with studies.)

Renu Kumari- Natural leader, Pawapur

"मेरा बचपन तभी खुशहाल होगा जब मम्मी- पापा मुझे उच्च शिक्षा का मौका देंगे और जब गाँव में मैं सुरक्षित महसूस करूंगी."

(My childhood will be happy only when my parents will give me a chance for higher education and when I feel safe in the village.)

Babita Kumari, Natural leader, Pawapur

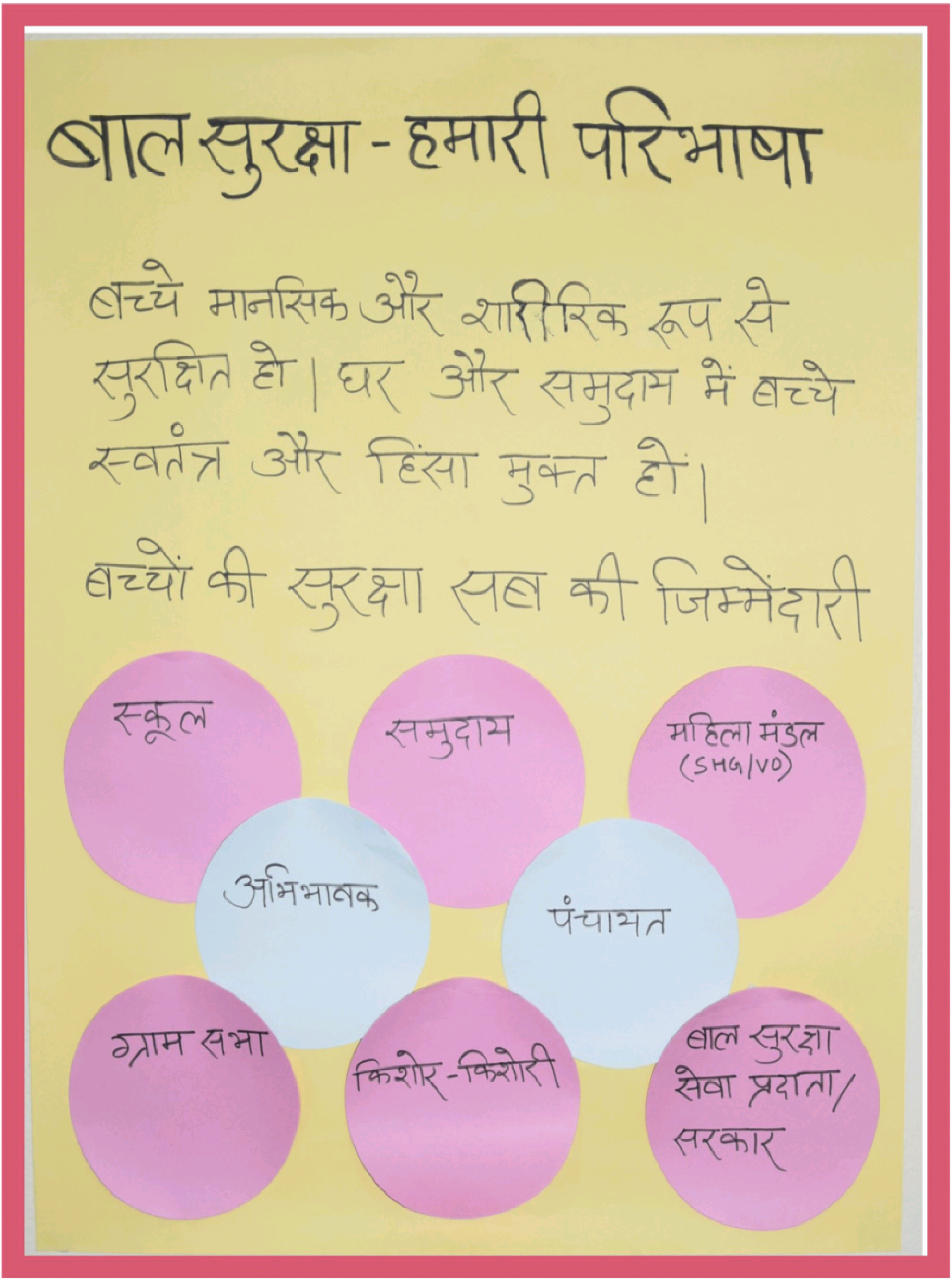
बाल सुरक्षा - हमारी परिभाषा
बच्चे मानसिक और शारीरिक रूप से सुरक्षित हो। घर और समुदाय में बच्चे स्वतंत्र और हिंसा मुक्त हों।
बच्चों की सुरक्षा सब की जिम्मेदारी
स्कूल
समुदाय
महिला मंडल (SHG/VO)
अभिभावक
पंचायत
ग्राम सभा
किशोर-किशोरी
बाल सुरक्षा सेवा प्रदाता/ सरकार

"The Convention on the Rights of the Child (CRC) views the community as the most crucial place for optimal child development and for their attainment of rights. The child's primary environment is his / her family and the wider community. They are best placed to identify concerns and respond early to them to reduce any negative impact on the child's development. The flagship protection initiative of the Government of India (GoI), operationalized in 2009, recognizes the pivotal role of families and communities in both preventive measures as well as facilitating swift responses for child protection violations."

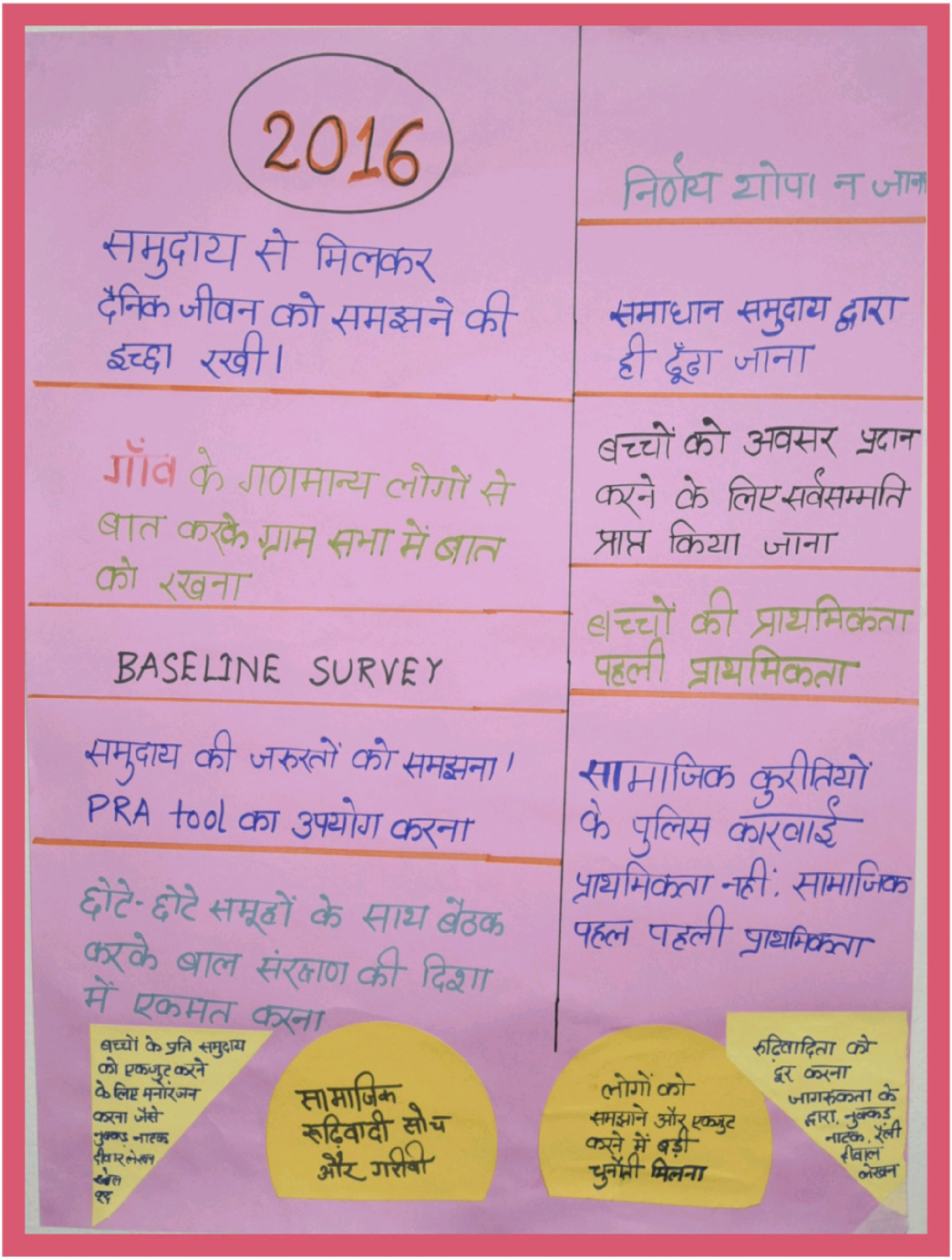
2016
समुदाय से मिलकर दैनिक जीवन को समझने की इच्छा रखी।
गाँव के गणमान्य लोगों से बात करके ग्राम सभा में बात को रखना
BASELINE SURVEY
समुदाय की जरूरतों को समझना। PRA tool का उपयोग करना
छोटे-छोटे समूहों के साथ बैठक करके बाल संरक्षण की दिशा में एकमत करना
निर्णय थोपा न जाना
समाधान समुदाय द्वारा ही ढूँढा जाना
बच्चों को अवसर प्रदान करने के लिए सर्वसम्मति प्राप्त किया जाना
बच्चों की प्राथमिकता पहली प्राथमिकता
सामाजिक कुरीतियों के पुलिस कारवाई प्राथमिकता नहीं; सामाजिक पहल पहली प्राथमिकता
बच्चों के प्रति समुदाय को एकजुट करने के लिए मनोरंजन करना जैसे नुक्कड़ नाटक दीवार लेखन खेल
सामाजिक रूढ़िवादी सोच और गरीबी
लोगों को समझाने और एकजुट करने में बड़ी चुनौती मिलना
रूढ़िवादिता को दूर करना जागरूकता के द्वारा, नुक्कड़ नाटक, रैली दीवाल लेखन

- A baseline survey was conducted.
- Team wanted to understand the village condition, situation through meeting with people of the community
- After meeting with respected people of community, they participated in the Gram Sabha and discussed which they learn form their community.

Challenges:

- Lack of time of people for meeting
- Stereotypical thinking of people
- Difficulty to gather all the community people
- Less interest of community people for children related issues.

Strategy

- Teams decided to do some entertainment programs on the child related issues.
- Conducted nukkad natak, street play etc.

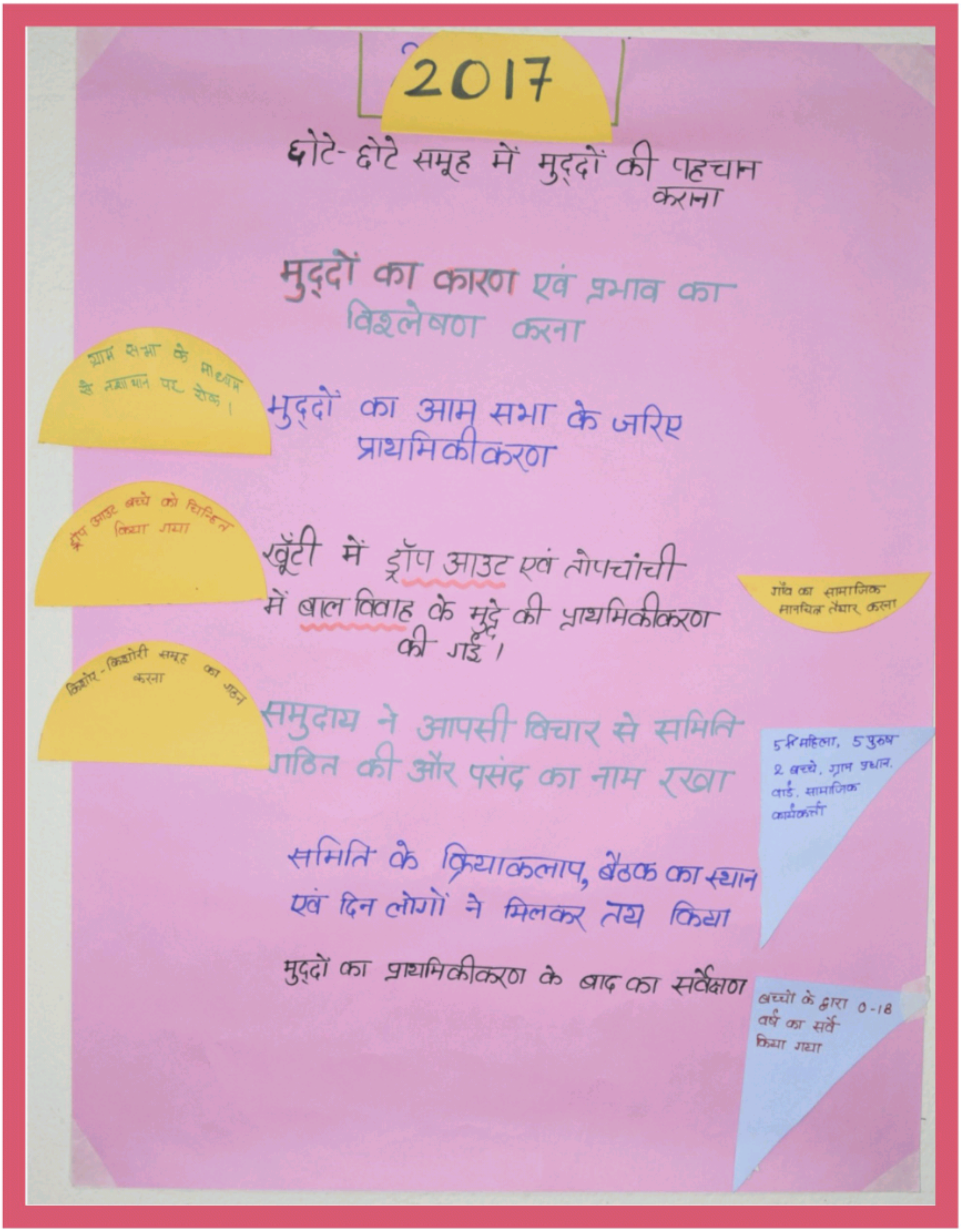
2017
छोटे-छोटे समूह में मुद्दों की पहचान करना
मुद्दों का कारण एवं प्रभाव का विश्लेषण करना
ग्राम सभा के माध्यम से समाधान पर रोक।
मुद्दों का आम सभा के जरिए प्राथमिकीकरण
ड्रॉप आउट बच्चे को चिन्हित किया गया
खूँटी में ड्रॉप आउट एवं तोपचांची में बाल विवाह के मुद्दे की प्राथमिकीकरण की गई।
गाँव का सामाजिक मानचित्र तैयार करना
किशोर-किशोरी समूह का गठन करना
समुदाय ने आपसी विचार से समिति गठित की और पसंद का नाम रखा
5 महिला, 5 पुरुष 2 बच्चे, ग्राम प्रधान, वार्ड, सामाजिक कार्यकर्ता
समिति के क्रियाकलाप, बैठक का स्थान एवं दिन लोगों ने मिलकर तय किया
मुद्दों का प्राथमिकीकरण के बाद का सर्वेक्षण
बच्चों के द्वारा 0-18 वर्ष का सर्वे किया गया

Natural leader

Usually, natural leaders have the following characteristics. They were:

- Sensitive to and aware of issues affecting children
- Clearly willing to act on social issues especially those related to children
- Articulate, Confident and Accessible
- Respected by the local communities who pay heed to what the person says (usually found to be more applicable for adults)

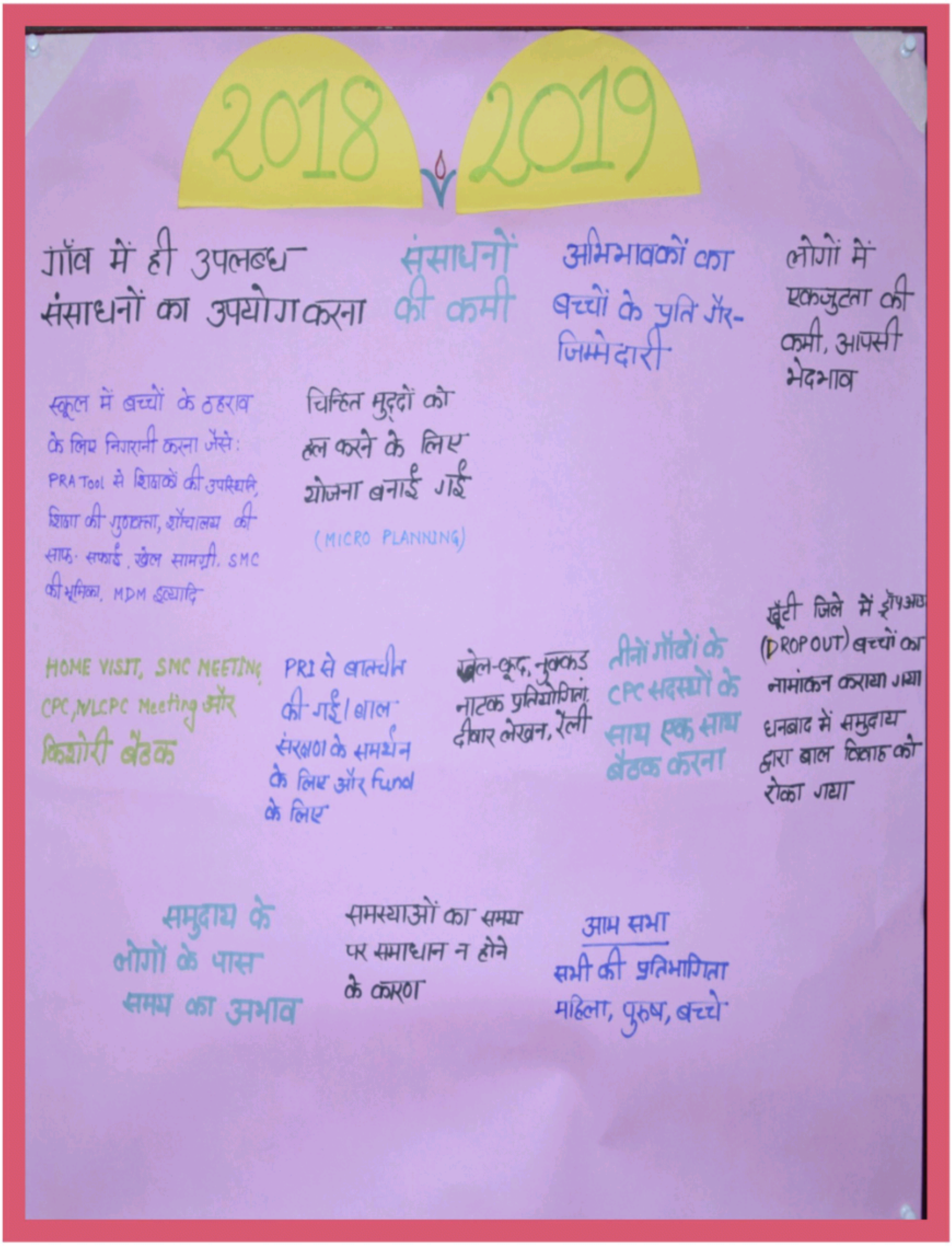

2018
2019
गाँव में ही उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करना
संसाधनों की कमी
अभिभावकों का बच्चों के प्रति गैर-जिम्मेदारी
लोगों में एकजुटता की कमी, आपसी भेदभाव
स्कूल में बच्चों के ठहराव के लिए निगरानी करना जैसे: PRA Tool से शिक्षकों की उपस्थिति, शिक्षा की गुणवत्ता, शौचालय की साफ-सफाई, खेल सामग्री, SMC की भूमिका, MDM इत्यादि
चिन्हित मुद्दों को हल करने के लिए योजना बनाई गई
(MICRO PLANNING)
HOME VISIT, SMC MEETING CPC, VLCPC Meeting और किशोरी बैठक
PRI से बातचीत की गई। बाल संरक्षण के समर्थन के लिए और Fund के लिए
खेल-कूद, नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता, दीवार लेखन, रैली
तीनों गाँवों के CPC सदस्यों के साथ एक साथ बैठक करना
खूँटी जिले में ड्रॉपआउट (DROPOUT) बच्चों का नामांकन कराया गया
धनबाद में समुदाय द्वारा बाल विवाह को रोका गया
समुदाय के लोगों के पास समय का अभाव
समस्याओं का समय पर समाधान न होने के कारण
आम सभा
सभी की प्रतिभागिता महिला, पुरुष, बच्चे

The micro plans incorporated awareness activities, this included wall writings with key messages on preventing early marriages. The natural leaders led discussions in community meetings on identifying possible locations for the wall writings. They also selected the slogans to be displayed.

Resolutions articulated by community members in Narkopi:

- Every child will get the opportunity to study at least up to higher secondary level
- Children will be actively involved in decisions related to their marriage
- Girls will decide for themselves if they are ready for marriage
- Marriages in the village will be dowry-free.

The collective in Pawapur came to know of a 16-year-old girl who was being married by her parents. Some of the natural leaders spoke to the parents to persuade them to postpone the wedding. While the mother agreed, the father remained adamant. The natural leaders realised that families who had begun planning such weddings and incurred costs would find it more difficult to step back. The dialogue on preventing early marriages should be held consistently with families even before they arrived at that stage.

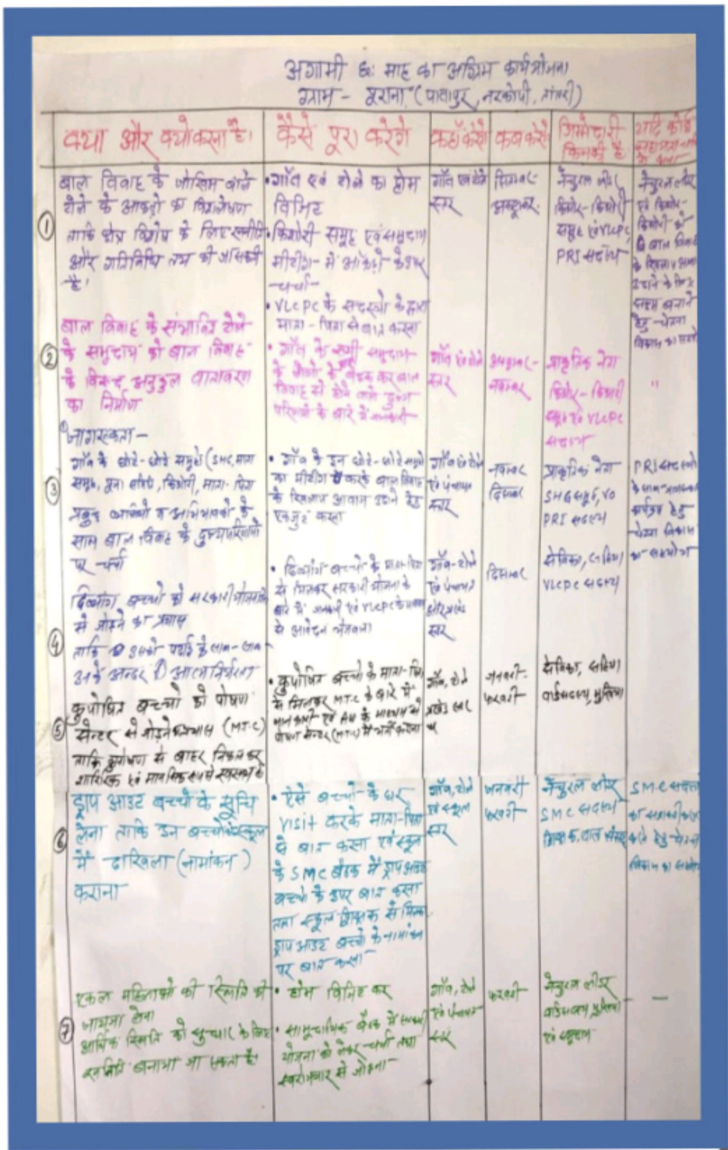

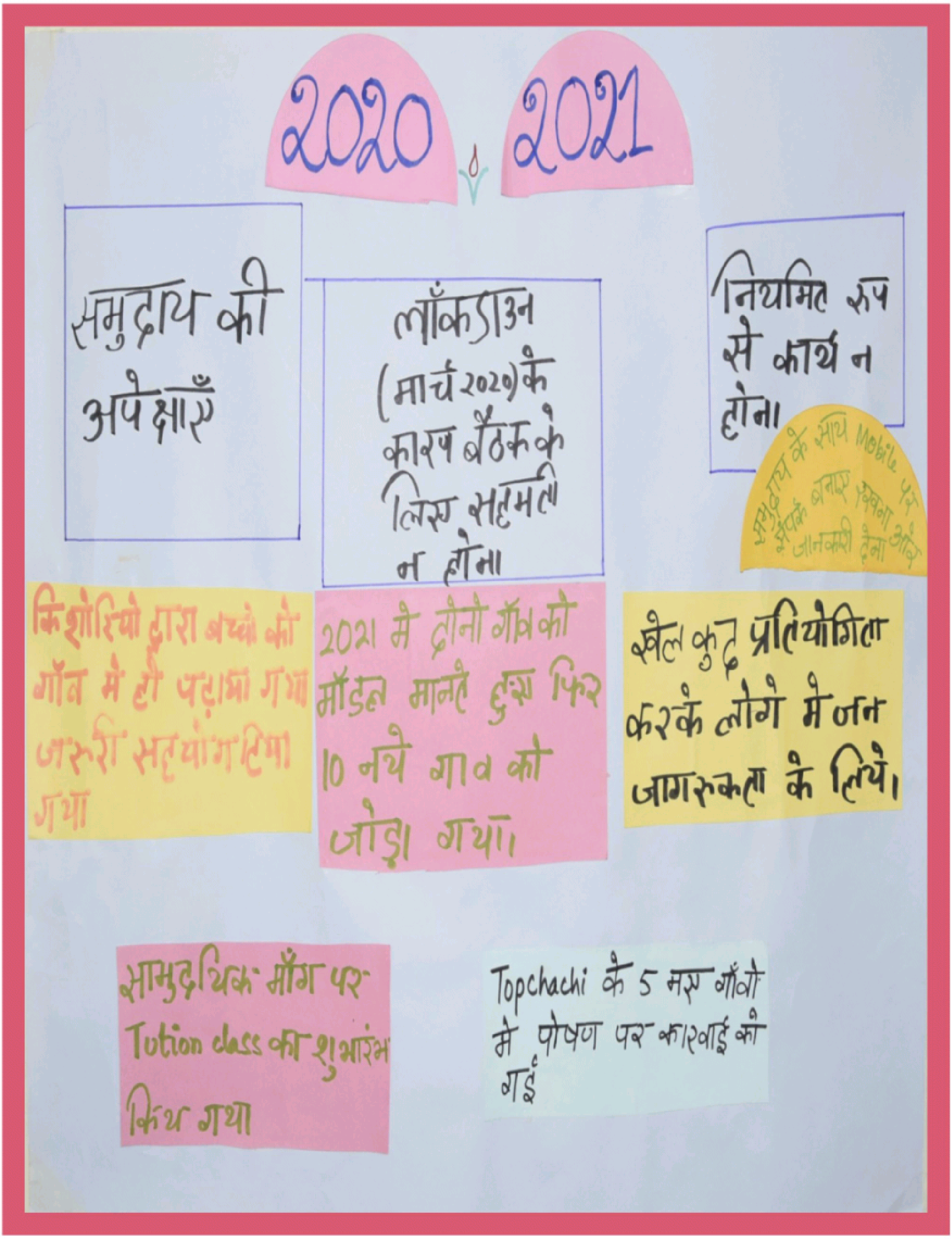
2020 , 2021
समुदाय की अपेक्षाएँ
लॉकडाउन (मार्च 2020) के कारण बैठक के लिए सहमति न होना
नियमित रूप से कार्य न होना।
समुदाय के साथ Mobile पर सम्पर्क बनाए रखना और जानकारी देना
किशोरियो द्वारा बच्चो को गाँव मे ही पढ़ाया गया जरूरी सहयोग दिया गया
2021 मे दोनो गाँव को मॉडल मानते हुए फिर 10 नये गाव को जोड़ा गया।
खेल कूद प्रतियोगिता करके लोगो मे जन जागरूकता के लिये।
सामुदायिक माँग पर Tution class का शुभारंभ किया गया
Topchachi के 5 नए गाँवो मे पोषण पर कारवाई की गई

Due to lockdown mobilizers face lot of challenges. Process which was running, that became slow and community people faced lot of challenges mostly related to financial crisis as a result children became more vulnerable.

मार्च 2020 में जब कोरोना की वजह से पुरे देश में लॉकडाउन लगा था, तब इसका सबसे बुरा प्रभाव शिक्षा पर पड़ा. इस बुरे प्रभाव से बचने के लिए पावापुर पंचायत के एक छोटे से टोले में बच्चों को शिक्षा से जोड़े रखने के लिए एक छोटा सामुदायिक प्रयास किया गया. यहाँ के रणवाटांड टोले की महिलाओं ने मिल कर यह निर्णय लिया कि बच्चों को स्कुल से जोड़े रखने के लिए गाँव के ही किसी पढ़े-लिखे किशोरी को अन्य बच्चों को पढ़ाने की जिम्मेदारी दी जाए. समुदाय के इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाते हुए ऐसी किशोरी का चुनाव किया गया साथ ही शिक्षा से जुडी सामग्री जैसे चौक, पेंसिल आदि उपलब्ध कराए गए. इसके लिए गाँव के लोगों ने आपस में मिलकर कुछ रुपए एकत्र किए और जरूरतमंद बच्चों को मदद करने का प्रयास किया. ये प्रयास लॉकडाउन खुलने तक चला.

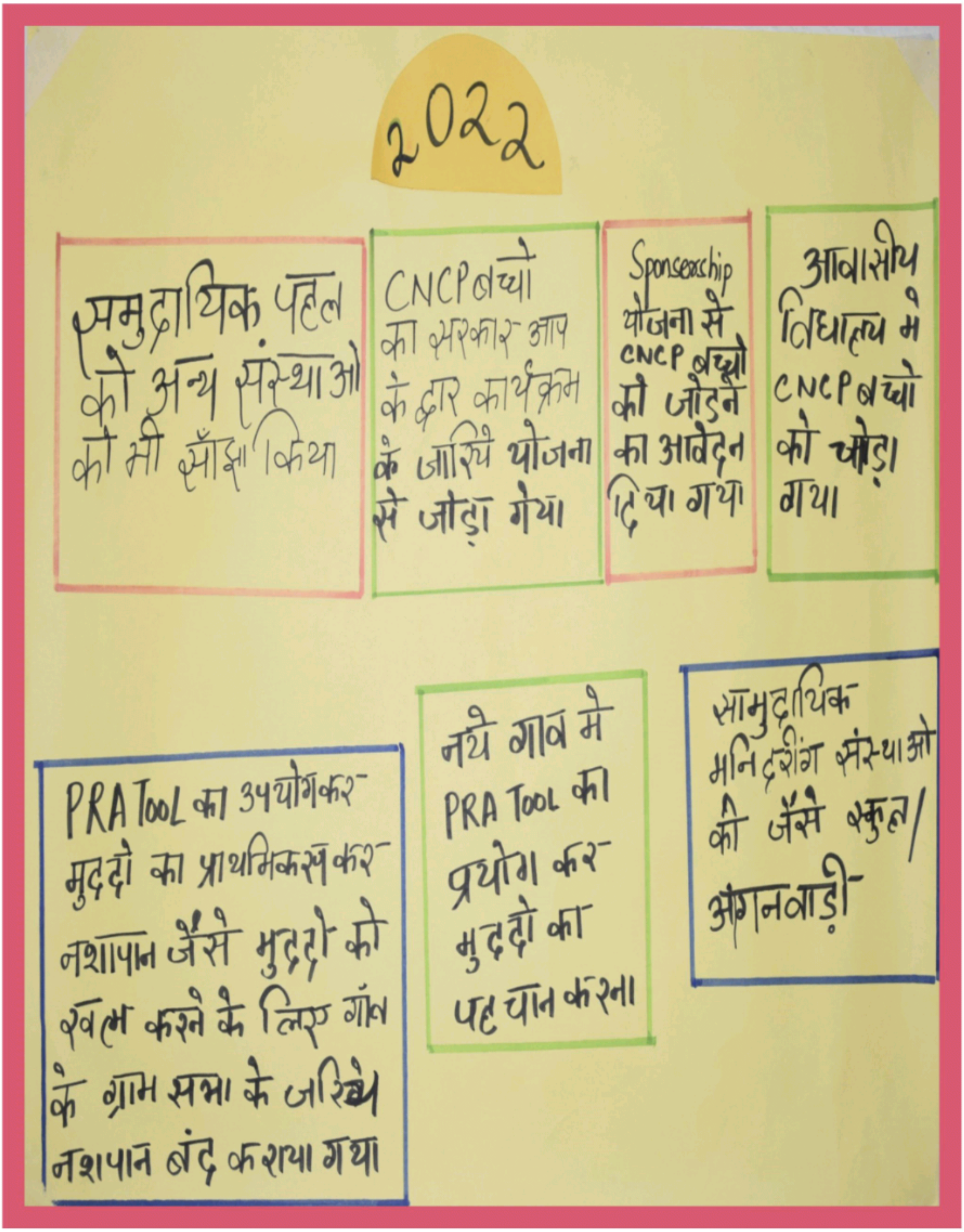
2022
समुदायिक पहल को अन्य संस्थाओ को भी साँझा किया
CNCP बच्चो का सरकार आप के द्वार कार्यक्रम के जरिये योजना से जोड़ा गया
Sponsership योजना से CNCP बच्चो को जोड़ने का आवेदन दिया गया
आवासीय विद्यालय मे CNCP बच्चो को जोड़ा गया
PRA Tool का उपयोग कर मुद्दो का प्राथमिकरण कर नशापान जैसे मुद्दो को खत्म करने के लिए गाँव के ग्राम सभा के जरिये नशापान बंद कराया गया
नये गाव मे PRA Tool का प्रयोग कर मुद्दो का पहचान करना।
सामुदायिक मनिटरींग संस्थाओ की जैसे स्कूल/आंगनवाड़ी

हो रही

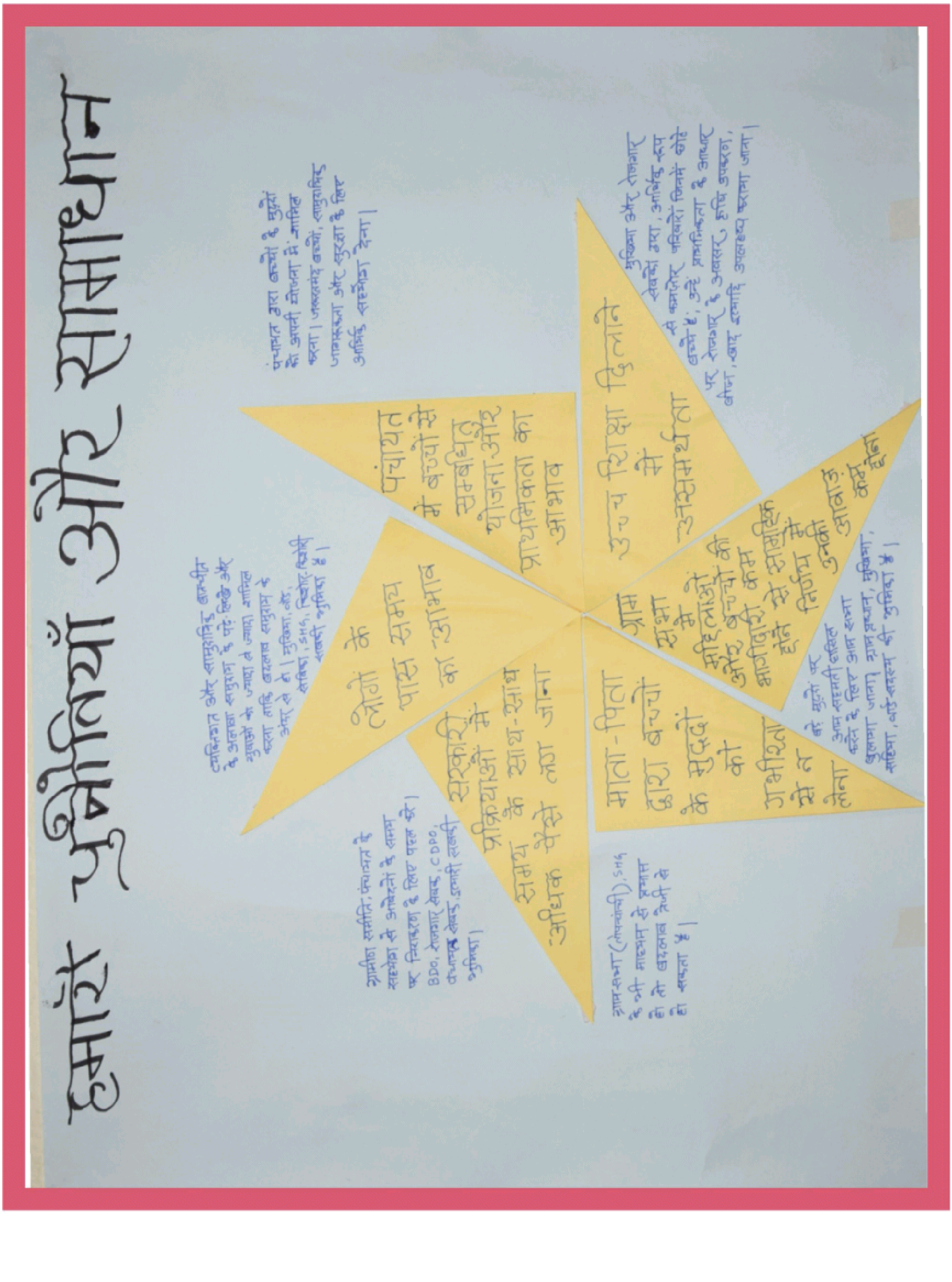

हमारे चुनौतियाँ और सामाधान
लोगों के पास समय का आभाव
पंचायत मे बच्चों से सम्बधित योजना और प्राथमिकता का आभाव
सरकारी प्रक्रियाओं में समय के साथ-साथ अधिक पैसे लग जाना
माता-पिता द्वारा बच्चों के मुद्दों को गंभीरता से न लेना
ग्राम सभा मे महिलाओं और बच्चों की भागीदारी कम होने से सामूहिक निर्णय में उनकी आवाज़ कम होना
उच्च शिक्षा दिलाने में असमर्थता

घरेलू
हिंसा

I
बाल विवाह : एक अपराध
हो रही बर्बादि जिंदगी
पढने कि उर्म मे सह रही परिवार का बोझ
एक बच्ची पर अत्याचार
जब उसकी दोस्तो कि हो रही थी शादी उसने करी पढाई।
पढाई कर आया नंबर अच्छा
बच्ची हो गई एक बच्चे कि माँ बेचारी कि हो गई बर्बाद जिंदगी
1
2
3

मैं समुदाय आधारित बाल संरक्षण प्रक्रिया से 2016 से जुड़ा हूँ. समुदाय आधारित प्रक्रिया में हम गाँव वाले बैठक कर सबसे पहले काम करने के मुद्दे का चयन करते हैं; जैसे- नशापान, बालमजदूरी, पलायन, छेड़छाड़, ड्रापआउट, बाल विवाह, स्वास्थ्य, जुआ आदि. दुमदुमी, तांतरी और पावापुर तीनों गांवों के लोगों ने एक साथ बैठकर बाल विवाह का प्रस्ताव लाया और सबने इस पर काम शुरू किया. समुदाय के लोगों के बीच छोटी-छोटी बैठकों, दिवाल लेखन, जागरूकता रैली और नुक्कड़ नाटक आदि के माध्यम से बाल विवाह के बारे में प्रचार-प्रसार किया और बाल विवाह से होने वाली स्वास्थ्य हानि के विषय में लोगों को बताया. इसके अतिरिक्त मैंने अधिक लोगों को जागरूक करने के लिए आंगनबाड़ी में किशोरी बैठक, महिला समूहों में, वार्ड सदस्य के साथ ग्राम सभा में और पंचायत प्रतिनिधियों की बैठकों में जा कर बाल संरक्षण प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया. परिणामस्वरूप किशोर-किशोरियों के अभिभावक, महिला समूह, पंचायत प्रतिनिधियों आदि ने समुदाय के साथ बैठकें कर के बाल विवाह को रोकने, ड्रापआउट को कम करने आदि पर विचार विमर्श किया और समाधान ढूंढने का प्रयास किया. सबने मिलाकर पंचायत का सामाजिक मानचित्रण तैयार किया और इसके द्वारा यह बताया कि बाल विवाह को कम करने के लिए बच्चों को पुनः स्कुल से जोड़ने, माता-पिता को शिक्षित करने और आंगनबाड़ी पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है.

इसी बीच गाँव में एक बाल विवाह होने जा रहा था. गाँव में सभी को सूचित किया गया. समुदाय के लोगों ने तत्काल उस बच्ची के माता- पिता और लड़का-लड़की को बाल विवाह से होने वाले स्वास्थ्य खतरे के बारे में बताया और समझाया. इस प्रकार समुदाय ने आपसी सहयोग से बाल विवाह को रोक दिया. समुदाय में जागरूकता होने से अब बाल विवाह का खतरा कम दिकाह रहा है.

ननकू दास, नेचुरल लीडर, तांतरी, धनबाद.

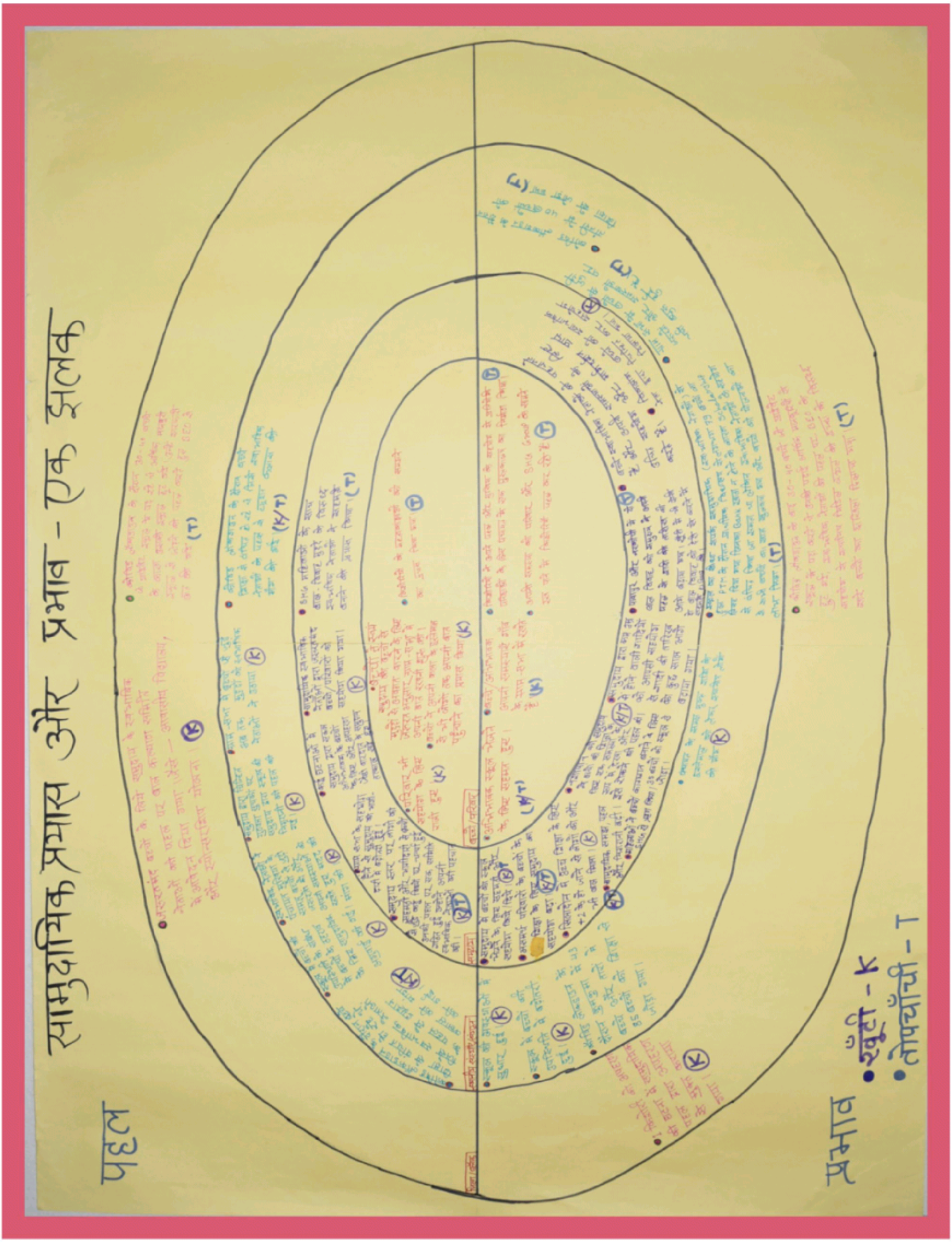
सामुदायिक प्रयास और प्रभाव - एक झलक
पहल
प्रभाव
• खूंटी - K
• तोपचाँची - T

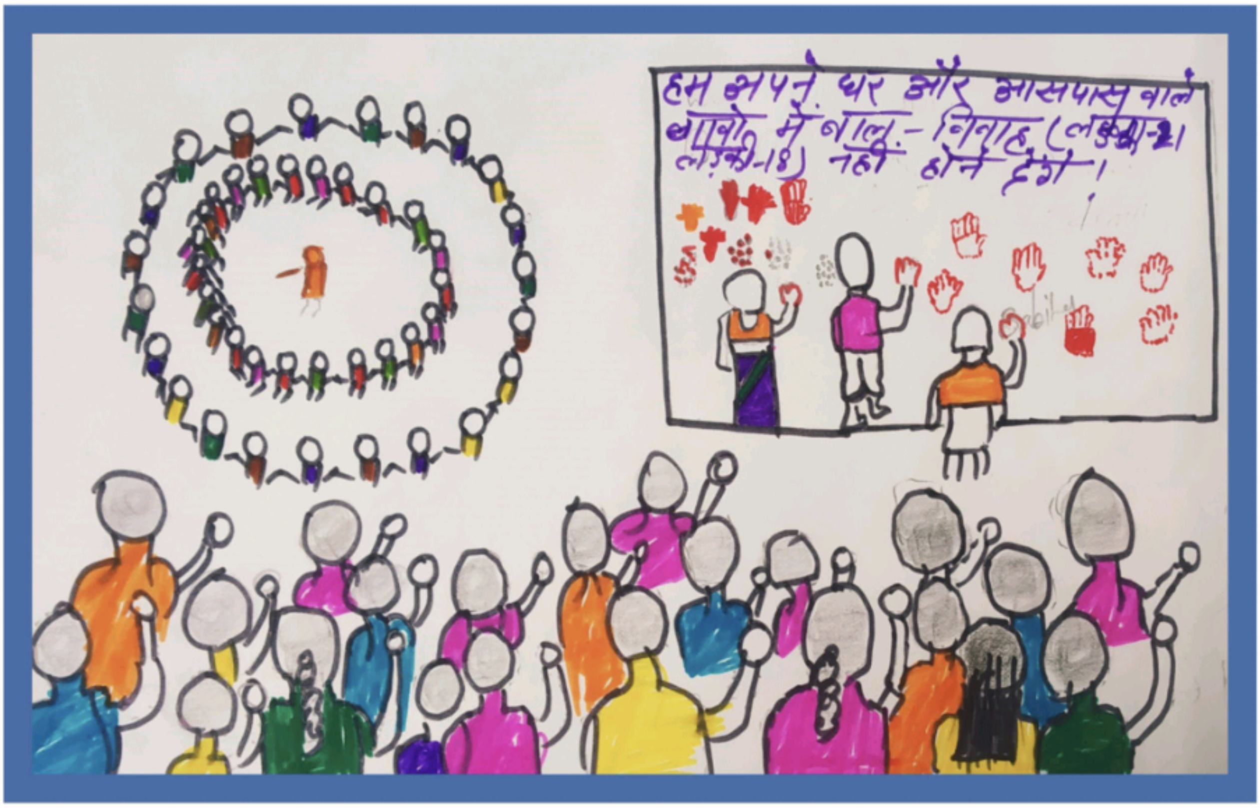
हम अपने घर और आसपास वाले
गाँवो में बाल- विवाह (लड़का-21
लड़की-18) नहीं होने देंगे।

बाल विवाह
जागरूकता
रैली

बच्चो से जुडे मुद्दे तब(2016) और अब(2023)
तारो
कुमकुमा
तांतरी
पावापुर
बच्चो में नशापान 2016 00 2023 00 2016 00 2023 00 2016 03 2023 01 2016 03 2023 01
ड्राप आउट 2016 07 2023 00 2016 06 2023 00 2016 02 2023 00 2016 02 2023 00
बाल विवाह 2016 02 2023 00 2016 02 2023 00 2016 05 2023 01 2016 05 2023 01
बाल मजदुरी 2016 01 2023 00 2016 02 2023 00 2016 04 2023 02 2016 04 2023 01
पलायन 2016 01 2023 00 2016 06 2023 01 2016 04 2023 01 2016 05 2023 02
अनाथ बच्चे 2016 00 2023 00 2016 00 2023 00 2016 02 2023 00 2016 03 2023 02
एकल माता-पिता के बच्चे 2016 02 2023 03 2016 03 2023 08 2016 10 2023 05 2016 04 2023 02
जुआ 2016 00 2023 00 2016 00 2023 00 2016 03 2023 01 2016 03 2023 01
लिंग भेद-भाव 2016 00 2023 00 2016 00 2023 00 2016 05 2023 01 2016 03 2023 01
अभिभावक के द्वारा बच्चो पर ध्यान नहीं देना 2016 07 2023 00 2016 05 2023 00 2016 04 2023 02 2016 04 2023 01
छेड़-छाड़ 2016 00 2023 00 2016 00 2023 00 2016 02 2023 01 2016 03 2023 01
5 साल से नीचे के बच्चों का आँगनबाड़ी नहीं जाना 2016 00 2023 00 2016 07 2023 00 2016 05 2023 03 2016 02 2023 00
रेटिंग स्केल :- 00-10

"4-5 साल पहले, लड़कियों की शादी 15-17 साल की उम्र में कर दी जाती थी. लेकिन अब शायद ही किसी लड़की की शादी 18 साल से पहले हो. इसके अलावा, लोग अब चर्चा करते हैं कि लड़कियों की जल्दी शादी करने से लड़कियों के मानसिक स्वास्थ्य पर मनोवैज्ञानिक दबाव कैसे पड़ता है"

4-5 years back, girls were married at the age of 15-17 years. But now one girl is rarely married before 18 years. Also, the people now discuss how marrying off girls early creates psychological pressure on the mental health of the girls.

(Panwa devi- Natural leader, Narkopi Dhanbad)

"पहले हमें कभी पता नहीं चलता था कि हमारे किसी दोस्त की शादी तय हुई है या नहीं. अब समिति के साथ हमें ऐसी घटनाओं के घटित होने से पहले के बारे में पता चलता है. साथ ही, समिति के माध्यम से हमें ड्रॉपआउट और कमजोर परिवारों में ड्रॉप आउट की संभावना के बारे में भी पता चलता है. समिति के सहयोग से हमारी पहुंच गांव की व्यापक आबादी तक फैल गई है."

Earlier we never came to know if marriage of any of our friends was fixed. Now with the committee, we come to know about such incidents before their occurrence. Also, through the committee we get to know about the dropouts and chances of drop out in vulnerable families. The main role of the committee is to stay alert and keep itself updated about the happenings. Our reach has expanded to a wider population of the village through association with the committee.

(Sarita kumari, Natural leader, Pawapur)

"हमें पढ़ने की इतनी आजादी और प्रोत्साहन कभी नहीं दिया गया. पहले अक्सर घर लौटने में देरी होने पर हमें डांट पड़ती थी, अब हमें देर से आने पर डांट नहीं पड़ती. इसके अलावा अब हम कोचिंग क्लास भी जाते हैं. माता-पिता का नजरिया बदला है. अब हम ग्रुप में कॉलेज जाते हैं और माता-पिता भी तनाव मुक्त रहते हैं."

We have never been given so much freedom and encouragement to study. Earlier we used to get scolded for being late in returning home, now we don't get scolded for coming late. Apart from this, now we also go to coaching classes. Attitude of parents has changed. Now we go to college in groups and parents are also stress free.

(Anjal kumari , kishori group member)

समुदाय आधारित बाल संरक्षण प्रक्रिया की चुनौतियाँ

यह प्रक्रिया पूरी तरह से समुदाय द्वारा चलाई जाने वाली प्रक्रिया है, जिसमें समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, जो कभी –कभी लोगों की उपलब्धता और उनके सम्पूर्ण सहभगिता जैसे कारकों के कारण धीमी हो सकती है. इसके अलावा, प्रक्रिया में शामिल नेचुरल लीडर के उत्साह को बनाए रखना भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है, क्योंकि कभी- कभी उनके द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार कार्य को पूरा होने में अधिक समय लग जाता है.

Challenges of Community Based Child Protection Process

The process is entirely community driven, with the community playing an important role, which can sometimes be slow due to factors such as people's availability and their full participation. Moreover, it also becomes challenging to maintain the enthusiasm of the Natural leader involved in the process, as sometimes the task takes more time to complete as per the decision taken by them.

"मुझे बाल संरक्षण के बारे में पहले कोई जानकारी नहीं थी, लेकिन इस कार्यक्रम से जुड़ने के बाद बच्चे से सम्बंधित बहुत सारी जानकारियां मिलीं. हमारे गाँव के बच्चे की सुरक्षा के लिए एवं उन्हें आगे बढ़ने के लिए काम करना बहुत जरूरी है. हमें इस प्रक्रिया के साथ निरंतर जुड़ कर काम करना है."

"I had no idea about child protection before, but after joining this program I got a lot of information related to the child. It is very important to work for the safety of the children of our village and for their progress. We have to work in constant engagement with this process."

Someshvar Dhan, Natural Leader, Taro, Khunti

"जब समुदाय आधारित बाल संरक्षण का कार्य शुरू हुआ तब से बैठक में हम लड़का-लड़की एक साथ बैठते है. इस बैठक में आने से बहुत सारी बातों की जानकारी मिलती है जैसे- शिक्षा, बाल विवाह, ड्राप आउट, बाल मजदूरी, माहवारी के दौरान साफ-सफाई."

"When the work of community-based child protection started, we boys and girls sit together in meetings. By attending this meeting one gets information about many things like- education, child marriage, drop out, child labour, cleanliness during menstruation."

Nandi Kumari, An Adolescent, Taro, Khunti

"पहले मुझे बाल सुरक्षा के बारे में कोई जानकारी नहीं थी. शुरुआत में सिर्फ किशोरी समूह की लडकियाँ बैठक करती थी, कुछ दिन बाद मैं बैठक में शामिल होने लगा. बैठक से जुड़ने के बाद स्कूल ड्राप आउट, बाल विवाह, बाल मजदूरी आदि विषयों पर बच्चों से सम्बंधित बहुत सारी जानकारियाँ मिली. हमें इन मुद्दों पर मिलकर काम करने की जरुरत है."

"Earlier I had no idea about Child Protection. In the beginning only the girls of the Kishori group used to hold meetings, after a few days I started attending the meetings. After joining the meeting, I got a lot of information related to children on the subjects of school drop-out, child marriage, child labor etc. We need to work together on these issues."

(Diganbar Paahan, Natural Leader, Khunti)

"काम के शुरुआत में मन में बहुत उलझने थी पर आज मुझे बहुत अच्छा लगता है कि लोग मिलकर काम करना चाहते हैं, सिर्फ गाँव या पंचायत के लोग ही नही दूसरे जगह के लोग भी हमारे समुदाय आधारित कार्य की जानकारी लेते है तो मुझे बहुत गर्व महसूस होता है. मेरी कोशिश होगी कि अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी इस कार्य में बन सके और विशेषकर युवा पीढ़ी जो समझदार हैं और बच्चों की समस्याओं को समझते है उनको आगे लाना चाहूँगा."

"In the beginning of the work, there was a lot of confusion in the mind, but today I feel very happy that people want to work together, not only the people of the village or panchayat, but also the people of other places take information about our community-Led approach, so I feel very proud. It will be my endeavour that more and more people can participate in this work and especially the young generation who are intelligent and understand the problems of the children, would like to bring them forward."

(Ramnath Munda, Natural Leader, Khunti)

"परियोजना शुरू होने के पहले बाल सुरक्षा की मुझे कोई समझ नहीं थी, प्रशिक्षण में शामिल होने के बाद मेरी समझ विकसित हो पाया. समुदाय आधारित कार्य होने से पहले बच्चे निरंतर स्कूल नहीं जाते थे लेकिन हमारे प्रयासों से अभी गाँव के सभी बच्चे निरंतर स्कूल जा रहे है. इस प्रक्रिया से जुड़ने के बाद कई प्रशिक्षण में अपनी बात रखने का मौक़ा मिला जिससे मुझमें हिम्मत एवं आत्मविश्वास बढ़ा."

I had no understanding of child safety before starting the project, after attending the training my understanding developed. Before the community-led approach, the children did not go to school continuously, but due to our efforts, now all the children of the village are going to school continuously. After joining this process, I got a chance to speak in many trainings, which increased my courage and confidence."

(Manju Devi, Natural Leader, Khunti)

All of the illustrations is a recreation of children's painting.

Co-learners in the community-led initiative:

chetna vikas

CRA CHILD RESILIENCE ALLIANCE

PRAXIS

PLAN INTERNATIONAL www.planindia.org

CINI help the mother help the child...